भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या :45
गुरुवार, 2 फरवरी, 2023/13 माघ, 1944 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

डिजी-यात्रा नीति

45. **श्रीमती मंजुलता मंडल**:
डॉ. सुभाष रामराव भामरे:
डॉ. डी. एन. वी. सेंथिलकुमार एस. :
श्री कुलदीप राय शर्मा:
श्री सी. एन. अन्नादुरई:
श्री सुनील दत्तात्रेय तटकरे:
श्री धनुष एम. कुमार:
डॉ. अमोल रामसिंह कोल्हे:
श्रीमती सुप्रिया सदानंद सुले:
श्री एम. के. राघवन:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने डिजी-यात्रा नीति शुरु की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके लक्ष्य और उद्देश्य क्या हैं;
(ख) उक्त नीति को कार्यान्वित करने के लिए कितना वित्तीय आवंटन किया गया है;
(ग) उक्त नीति से लोगों को हुए लाभ का ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या सरकार ने डिजी-यात्रा नीति के बारे में कोई जागरुकता कार्यक्रम शुरू किया है और यदि हां, तो इसके क्या परिणाम रहे हैं;
(ङ) उन विमानपत्तनों का ब्यौरा क्या है जिन्हें भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा बॉयोमीट्रिक बोर्डिंग प्रणाली के कार्यान्वयन का कार्य सौंपा गया था;
(च) क्या उक्त योजना के अंतर्गत देश के सभी विमानपत्तनों को शामिल करने के लिए कोई समयबद्ध कार्ययोजना प्रस्तावित है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(छ) विमानन क्षेत्र के डिजिटल रूपांतरण के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (जनरल (डा.) विजय कुमार सिंह (सेवानिवृत्त))

(क) से (ङ): डीजी यात्रा नीति, चेहरा पहचान तकनीक का उपयोग करते हुए बायोमीट्रिक बोर्डिंग सिस्टम के लिए नागर विमानन मंत्रालय द्वारा शुरू की गई एक पहल है। इसका उद्देश्य, हवाईअड्डों पर यात्रियों के लिए यात्रा का, निर्बाध और कष्ट मुक्त अनुभव मुहैया करना है। इसका मुख्य उद्देश्य कई स्पर्श बिंदुओं पर टिकट और आईडी के सत्यापन की आवश्यकता को समाप्त करके, यात्री अनुभव को बढ़ाना और एक डिजिटल फ्रेमवर्क का उपयोग करके मौजूदा अवसंरचना के माध्यम से बेहतर थ्रूपुट प्राप्त करना है। परियोजना कार्यान्वयन चरण में है। डिजी यात्रा के कार्यान्वयन पर होने वाले व्यय का वहन, हवाईअड्डा प्रचालकों द्वारा किया जाता है। नागर विमानन मंत्रालय इसके कार्यान्वयन के लिए कोई बजटीय सहायता प्रदान नहीं करता है। डिजी यात्रा का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के लिए हवाईअड्डा प्रचालक और एयरलाइन प्रचालक, उड़ान के

दौरान घोषणाएं कर रहे हैं, बोर्डिंग पास के माध्यम से प्रचार-प्रसार कर रहे हैं, हवाईअड्डों पर हेल्प डेस्क सहयोग प्रदान कर रहे हैं और हवाईअड्डे पर बैनर और फिल्म आदि प्रदर्शित कर रहे हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से भी प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।
भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने कोलकाता, पुणे, विजयवाड़ा और वाराणसी हवाईअड्डों पर बायोमेट्रिक बोर्डिंग प्रणाली के कार्यान्वयन के कार्य का अवॉर्ड किया है।

(च) और (छ): डिजी यात्रा को चरणबद्ध तरीके से सभी हवाई अड्डों पर क्रियान्वित किया जाना है। यात्रियों को संपर्करहित, कागजरहित चैक-इन तथा फेसियल बॉयोमीट्रिक आधारित बोर्डिंग प्रक्रिया प्रदान करने के लिए, पहले चरण में, डिजी यात्रा को 01.12.2022 को दिल्ली, बैंगलौर तथा वाराणसी हवाईअड्डों पर प्रारंभ किया गया है। प्रथम चरण के अंतर्गत डिजी यात्रा को मार्च 2023 तक कोलकाता, पुणे, विजयवाड़ा और हैदराबाद हवाईअड्डों पर तथा चरणबद्ध तरीके से देश के सभी हवाईअड्डों पर क्रियान्वित किए जाने की योजना है।

विमानन क्षेत्र का डिजिटल परिवर्तन एक सतत प्रयास है। आवश्यकता के अनुसार, विमानन क्षेत्र में विभिन्न प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण किया जाता है।

****